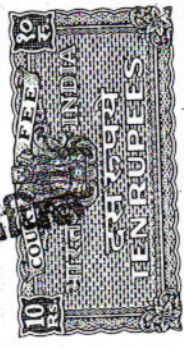


न्यायालय राजस्व मण्डल म. प्र. ग्वा लियर  
पुनर्विलोकन प्रकरण क्रमांक /2004



- सूत
1. शिवरत्न तनय श्यामले कुमारी
  2. प्रेमबाई बेवा रामकेश कुमारी
  3. रामनाथ तनय श्यामले कुमारी
  4. रामलक्ष्मण तनय श्यामले कुमारी
  5. रामगोपाल तनय स्व० श्री टन्टा कुमारी
  6. गौरी बाई पत्नि स्व० श्री टन्टा कुमारी
  7. भूरा तनय स्व० श्री टन्टा कुमारी
- समस्त निवासीगण ग्राम-बडागाँव  
तहसील व जिला-पन्ना म० प्र०

अधिसूचना पुस्तक संख्या  
 (क) लालजी शिवरत्न  
 निवासीगण ग्राम-बडागाँव  
 तहसील व जिला-पन्ना  
 दिनांक 26/10/04

जगदलाल  
 रघु शम्भु  
 निवासीगण  
 तहसील व जिला-पन्ना

..... आवेदकगण

वि०

- सूत
1. बलवीर सिंह तनय रमवीर सिंह
  2. उत्तम सिंह तनय स्व० श्री फेरन सिंह
  3. छुट्टे राजा तनय स्व० श्री फेरन सिंह  
जरिये वाली इमलिया वाली  
पत्नि स्व० श्री फेरन सिंह
  4. इमलिया वाली पत्नि स्व० श्री फेरन सिंह
  5. हीरा सिंह तनय लल्लू राजा
  6. पप्पू तनय स्व० श्री फार काजी
  7. हरदुआ वाली पत्नि स्व० श्री दुलारे
- समस्त निवासीगण ग्राम-बडागाँव  
तहसील व जिला-पन्ना म० प्र०

.... अनावेदकगण

श्री. के. के. द्विवेदी  
 द्वारा दिनांक 26/10/04  
 राजस्व मण्डल म. प्र. ग्वा लियर

श्री. देशपाल सिंह उर्फ बोडेशाण  
 (क) छपरापाल उर्फ हुन्नेराजा  
 (ख) राजमपाल उर्फ अजपुराण  
 निवासीगण ग्राम-बडागाँव तहसील व जिला-पन्ना (म.प्र.)

माननीय श्री एम. के. सिंह, सदस्य, राजस्व मण्डल म.प्र., ग्वा लियर द्वारा पुनरीक्षण प्रकरण क्रमांक 936-दो/2002 में पारित आदेश दिनांक 26-7-2004 के विरुद्ध म.प्र. राजस्व संहिता, 1959 की धारा 51 के अधीन पुनर्विलोकन।

26-10-04  
 K. K. DWIVEDI  
 Advocate

माननीय महोदय,

आवेदकगणों का निम्नांकित निवेदन है :-

मासले के संक्षिप्त तथ्य :-

1. यह कि, आवेदकगणों ने अग्रे तहसीलदार महोदय के समक्ष धारा 250 के तहत इस आशय का आवेदन पेश किया कि आराजी क्रमांक 939, 940 और 1058 रकबा क्रमशः 0.75, 0.32, और 0.55 हे० स्थित ग्राम बडागाँव में आवेदकगणों के नाम है। उक्त आराजी पर अनावेदकगणों ने

क्रमशः..... 2

Handwritten signature/initials.

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश-ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक रिव्यु 1401-एक/04

जिला -पन्ना

स्थान एवं दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
14.03.2016	<p>आवेदक की ओर से श्री आर० डी० शर्मा उपस्थित। अनावेदक की ओर से श्री के० के० द्विवेदी अधिवक्ता उपस्थित। आवेदक पक्ष के अधिवक्ता द्वारा प्रकरण में तर्क प्रस्तुत किये। आवेदक पक्ष के अधिवक्ता द्वारा रिव्यु प्रकरण के प्रस्तुत तर्कों पर विचार किया गया।</p> <p>यह रिव्यु आवेदन- पत्र इस न्यायालय के प्रकरण क्रमांक निगरानी 936-दो/2002 आदेश दिनांक 26.7.2004 के विरुद्ध प्रस्तुत पुनर्विलोकन प्रकरण क्रमांक 1401-दो/2004 के तथ्यों पर आवेदक अधिवक्ता के तर्क सुने गये।</p> <p>आवेदक की ओर से पुनरवलोकन आवेदन में उन्हीं तथ्यों को दोहराया गया है जो प्रकरण क्रमांक निगरानी 936-दो/2002 में वर्णित हैं। जिनका निराकरण आदेश दिनांक 26.07.2004 से किया जा चुका है।</p> <p>रिव्यु प्र० क्र० 1401-दो/2004 म०प्र० भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 51 में पुनर्विलोकन में जो आधार बताये गये हैं उनके विद्यमान होने पर ही रिव्यु आवेदन</p>	

R  
शर्मा

Om

स्वीकार किया जा सकता है :-

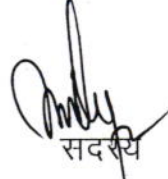
1- नई एवं महत्वपूर्ण बात /साक्ष्य का पता चलना जो उस समय जब आदेश पारित किया गया था , सम्यक तत्परता के पश्चात् भी नहीं मिल पाई थी ।

2-अभिलेख से प्रकट कोई भूल /गलती ।

3- कोई अन्य पर्याप्त कारण ।

आवेदक ने रिव्यू का जो आवेदन प्रस्तुत किया है। उसके परीक्षण से उक्तांकित आधारों में से कोई आधार विद्यमान होना नहीं पाया जाता है इसलिये इस रिव्यू आवेदन में कोई बल नहीं होने से यह रिव्यू प्रकरण अग्राह्य किया जाता है । उभय पक्ष सूचित हों ।

R  
3/12

  
सदस्य